वर्ष-17 - अंक 100
पृष्ट-04 मूल्य : 01 रुपया

सीतापुर साप्ताहिक
बुधवार,19 अगस्त 2026

RNI.No. (UHIN/2009/34814)

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

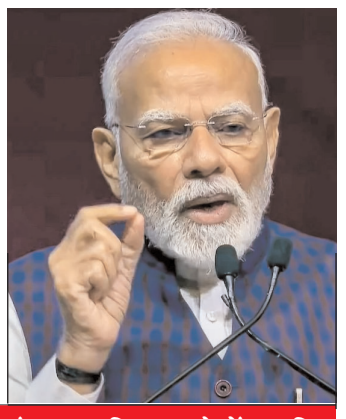

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाजियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

आजादी का अमृत और आम आदमी..... 2 | किसानों की मांगों को लेकर भाकियू ने ज्ञापन सौंपा..... 3 | स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय हिंदू युवा संगठन ने लगाया रक्तदान शिविर 04

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने ली एनटीए की समीक्षा बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सोमवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के कामकाज और हाल में सामने आई परीक्षा संबंधी समस्याओं को लेकर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। शिक्षा मंत्री ने एनटीए को परीक्षा की सभी प्रक्रियाओं का व्यापक ऑडिट कराने का निर्देश दिया है। एजेंसी को परीक्षा व्यवस्था के प्रत्येक चरण की समीक्षा करनी होगी। यहां पाई जाने वाली कमियों की पहचान उन्हें दूर करने के लिए उठाए गए कदमों की रिपोर्ट बनानी होगी। एनटीए को यह भी निर्देश दिया गया है कि ऑडिट के बाद सुधारात्मक कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत की जाए। शिक्षा मंत्री ने बैठक में यह निर्देश दिया कि परीक्षा के तय नियमों का सख्ती से पालन हो। साथ ही कॉन्फिडेंशियल ऑपरेशन्स आर्किटेक्चर, अलग कमरों, एयर-गैप्ड सिस्टम और डिवाइस जमा करने के नियमों में पूरी तरह बदलाव को युद्ध स्तर पर लागू किया जाए। गौरतलब है कि यूजीसी-नेट जून 2026 के अंग्रेजी, कॉमर्स और समाजशास्त्र विषयों की परीक्षा भी अब दोबारा आयोजित की जाएगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने इन तीनों विषयों के प्रश्नपत्रों में बड़ी संख्या में गंभीर त्रुटियां पाए जाने के बाद पुनर्परीक्षा कराने का फैसला किया है। स्वयं एनटीए ने बताया कि इन परीक्षाओं में भाषा, वर्तनी की गलतियों के साथ साथ पहले आयोजित परीक्षाओं में पूछे जा चुके प्रश्नों की पुनरावृत्ति भी बड़ी संख्या में सामने आई। यह परीक्षा पहले आयोजित की गई थीं लेकिन अब सितंबर में इनकी पुनर्परीक्षा होगी। सोमवार को हुई समीक्षा बैठक में परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र और अन्य संवेदनशील सामग्री की सुरक्षा को देखते हुए अलग-अलग स्तरों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर जोर दिया गया है। बाहरी नेटवर्क से अलग कंप्यूटर प्रणालियों के इस्तेमाल से संवेदनशील परीक्षा सामग्री तक अनधिकृत पहुंच की आशंका को कम किया जाएगा। सोमवार को हुई इस बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव, एनटीए के महानिदेशक, परीक्षा से जुड़े अधिकारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान शिक्षा मंत्री को हाल की समस्याओं के बाद एनटीए की ओर से उठाए गए कदमों और परीक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की दिशा में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि एनटीए में सुधार प्रक्रिया के तहत 50 से अधिक कर्मचारियों को हटाया जा चुका है। इसके साथ ही एजेंसी के भीतर पेशेवर और तकनीकी नेतृत्व को मजबूत करने के लिए नई नियुक्तियों की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। एनटीए ने 10 नए पेशेवर नेतृत्व पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की है। इनमें मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, मुख्य वित्त अधिकारी, मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी, परीक्षा सुरक्षा के महाप्रबंधक, अनुसंधान एवं विकास तथा मनोमितीय मूल्यांकन के महाप्रबंधक सहित अन्य महत्वपूर्ण पद शामिल हैं। इन पदों पर विशेषज्ञों को नियुक्त करने की प्रक्रिया चल रही है। परीक्षा प्रणाली को तकनीकी और पेशेवर रूप से मजबूत बनाने के लिए निजी क्षेत्र से विशेषज्ञों को भी एनटीए के साथ जोड़ा जा रहा है। इन विशेषज्ञों की सेवाएं मुख्य रूप से साइबर सुरक्षा, मनोमितीय मूल्यांकन, प्रश्नपत्र तैयार करने और अन्य विशेष तकनीकी क्षेत्रों में ली जाएंगी। इससे प्रश्नपत्र निर्माण और परीक्षा सुरक्षा से जुड़ी प्रक्रियाओं में विशेषज्ञता बढ़ाने तथा संभावित कमियों को दूर करने में मदद मिलेगी।

एनटीए को यह भी निर्देश दिया गया है कि ऑडिट के बाद सुधारात्मक कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत की जाए। शिक्षा मंत्री ने बैठक में यह निर्देश दिया कि परीक्षा के तय नियमों का सख्ती से पालन हो। साथ ही कॉन्फिडेंशियल ऑपरेशन्स आर्किटेक्चर, अलग कमरों, एयर-गैप्ड सिस्टम और डिवाइस जमा करने के नियमों में पूरी तरह बदलाव को युद्ध स्तर पर लागू किया जाए। गौरतलब है कि यूजीसी-नेट जून 2026 के अंग्रेजी, कॉमर्स और समाजशास्त्र विषयों की परीक्षा भी अब दोबारा आयोजित की जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस पर सभी जिलों में बनेगी 'वंदे मातरम् वाटिका'

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर योगी सरकार प्रदेश के सभी 75 जिलों में 'वंदे मातरम् वाटिका' स्थापित करेगी। वन विभाग की ओर से शुरू की जा रही इस विशेष पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ राष्ट्रभक्ति और जनसहभागिता का संदेश देना है। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रत्येक जिले में 150 पौधों का रोपण किया जाएगा। यह पौधरोपण 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया जाएगा। प्रदेश में पिछले दिनों वन विभाग की ओर से कई विशिष्ट वनों की स्थापना की गई है। इसी क्रम में अब स्वतंत्रता दिवस पर सभी जनपदों में चयनित स्थानों पर 'वंदे मातरम् वाटिका' विकसित की जाएगी। वन विभाग ने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। वाटिका में स्थानीय जलवायु और परिस्थितियों के अनुरूप छायादार, फलदार तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए उपयोगी प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। वन विभाग के अनुसार प्रत्येक जनपद में एक स्थान का चयन कर वहां 150 पौधे लगाए जाएंगे। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर किया जा रहा यह पौधरोपण प्रकृति संरक्षण और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक होगा। वाटिका की स्थापना केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी स्थानीय स्तर पर तय की जाएगी। इसका उद्देश्य इन वाटिकाओं को भविष्य में स्थायी हरित धरोहर के रूप में विकसित करना है। लखनऊ में अवध वन प्रभाग की ओर से कुकरैल पिकनिक स्पॉट में 'वंदे मातरम् वाटिका' को विस्तार दिया जाएगा। प्रभागीय वनाधिकारी सितांशु पांडेय ने बताया कि यहां अशोक चक्र का स्वरूप तैयार किया गया है। अशोक चक्र की 24 तीलियों के बाहर के क्षेत्र में अशोक के पौधे लगाए जाएंगे। पौधों की सुरक्षा के लिए वाटिका के चारों ओर बाड़ लगाई जाएगी। यहां भारतीय वन सेवा के वर्तमान और सेवानिवृत्त अधिकारियों के साथ समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों से भी पौधरोपण कराया जाएगा। इस आयोजन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ देश की एकता और राष्ट्रप्रेम का संदेश देने का प्रयास किया जाएगा। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (सामाजिक वानिकी) दीपक कुमार ने बताया कि 'वंदे मातरम् वाटिका' 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी है। इस अभियान में आम नागरिकों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। पौधरोपण कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के साथ विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी भी शामिल होंगे।

संक्षिप्त ख़बरें

जुलाई में यूक्रेन के 437 नागरिकों की मौत, 2,610 घायल

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है कि जुलाई में रूसी हमलों के दौरान यूक्रेन में 437 नागरिकों की मौत हुई, जबकि 2,610 लोग घायल हुए। उन्होंने इसे मई 2022 के बाद एक महीने में नागरिकों के हताहत होने का सबसे बड़ा आंकड़ा बताया। जेलेंस्की के अनुसार, जुलाई में 17 बच्चों की मौत हुई और 166 बच्चे घायल हुए। उन्होंने कहा कि अप्रैल 2022 के बाद किसी एक महीने में बच्चों के हताहत होने का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इन आंकड़ों को गंभीरता से लेने की अपील की। जेलेंस्की ने नागरिकों की मौत के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यूक्रेन के शहरों पर मिसाइल, ड्रोन और बम हमले तेज किए जा रहे हैं। उनके मुताबिक, जुलाई में लंबी दूरी के हथियारों से किए गए हमलों में कुल नागरिक हताहतों के करीब 38 प्रतिशत मामले सामने आए।

'वंदे मातरम' के अपमान पर सोनिया गांधी माफी मांगें: अठावले

नागपुर। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने 'वंदे मातरम' को लेकर चल रहे विवाद पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' देश की स्वतंत्रता की लड़ाई से जुड़ा महत्वपूर्ण गीत है और इसका अपमान किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। आईएएनएस से बातचीत में अठावले ने कहा कि 15 अगस्त देशवासियों के लिए गर्व और सम्मान का दिन है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान 'वंदे मातरम' ने लोगों में देशभक्ति की भावना को मजबूत करने और अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी एक जिम्मेदार राजनीतिक नेता रही हैं और कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। ऐसे में उन्हें 'वंदे मातरम' के कथित अपमान को लेकर माफी मांगनी चाहिए। अठावले ने कहा कि किसी भी राष्ट्रीय प्रतीक या देश की भावना का अपमान उचित नहीं है। 'बौद्धिक नक्सलवाद' को लेकर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नक्सलवाद को खत्म करने की दिशा में किए गए प्रयासों का उल्लेख किया है। उन्होंने दावा किया कि बड़ी संख्या में नक्सलियों को मुख्यधारा में लाया गया है और कई क्षेत्रों में नक्सली गतिविधियों में कमी आई है।

मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ मुंबई पुलिस में की शिकायत

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वंदे मातरम के गायन में कथित तौर पर बाधा डालने के आरोप को लेकर कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ मुंबई के दिंडोशी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में पुलिस से वंदे मातरम अधिनियम की प्रयोज्यता और कानूनी स्थिति का पता लगाने और तीनों कांग्रेस नेताओं के कथित आचरण की निष्पक्ष, तटस्थ और समयबद्ध जांच करने के बाद एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। मुंबई भाजपा के सचिव अखिलेश चौबे (एडवोकेट) ने वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, दिंडोशी पुलिस स्टेशन, मलाड ईस्ट, मुंबई को एक पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 15 अगस्त को एआईसीसी मुख्यालय स्थित इंदिरा भवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सोनिया गांधी ने ऐसे इशारे किए, जिनसे वंदे मातरम के गायन को लेकर आपत्ति का संकेत मिलता था। विवाद उस समय बढ़ा जब गायकों ने वंदे मातरम के उन बाद के छंदों का गायन शुरू किया, जिनमें हिंदू धार्मिक प्रतीकों का उल्लेख है। कांग्रेस के नेताओं का तर्क है कि इन छंदों से अन्य धर्मों के अनुयायियों की भावनाएं आहत हो सकती हैं। शिकायत में कथित वीडियो फुटेज का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें राहुल गांधी को कथित तौर पर यह कहते हुए सुना गया है कि, 'हम वंदे मातरम नहीं गा रहे हैं।'

नेपाल ने जनरल धीरज सेठ को प्रदान की नेपाली सेना के जनरल की मानद रैंक

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत और नेपाल के बीच दशकों से चली आ रही विशेष सैन्य परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने सोमवार को भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ को नेपाली सेना के जनरल की मानद रैंक प्रदान की। काठमांडू स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित विशेष अलंकरण समारोह में जनरल सेठ को यह सम्मान प्रदान किया गया। भारतीय सेना के अनुसार, जनरल धीरज सेठ को नेपाली सेना के जनरल की मानद रैंक दिया जाना महज औपचारिक सम्मान नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच कायम विशेष और ऐतिहासिक सैन्य संबंधों का प्रतीक है। भारत और नेपाल की सेनाओं के बीच एक-दूसरे के सेना प्रमुखों को मानद जनरल की रैंक प्रदान करने की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। यह पारस्परिक सम्मान दोनों देशों की सेनाओं के बीच आपसी विश्वास, पेशेवर सम्मान और सैन्य भाईचारे को दर्शाता है। भारतीय सेना का कहना है कि दोनों देशों में सैन्य नेतृत्व की कई पीढ़ियां बदलने के बावजूद यह परंपरा लगातार कायम रही है। ऐसे में जनरल धीरज सेठ को मिला सम्मान भारत-नेपाल के सैन्य संबंधों में निरंतरता और आपसी विश्वास का भी प्रतीक है। समारोह ने भारतीय सेना और नेपाली सेना की उस प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया, जिसके तहत दोनों देश अपने ऐतिहासिक सैन्य संबंधों को बनाए रखते हुए साझा हित वाले क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के लिए प्रयासरत हैं। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, जनरल धीरज सेठ को नेपाली सेना की मानद रैंक प्रदान किए जाने से दोनों सेनाओं के बीच दोस्ती और सहयोग के संबंध और मजबूत होंगे। यह सम्मान भारत और नेपाल के बीच लंबे समय से चली आ रही रक्षा साझेदारी में विश्वास, सम्मान और सहयोग की भावना को दोहराता है। भारत और नेपाल के सैन्य संबंध केवल औपचारिक संपर्क तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों की सेनाओं के बीच लंबे समय से संयुक्त प्रशिक्षण, सैन्य आदान-प्रदान और पेशेवर सहयोग की गतिविधियां भी होती रही हैं।

नांदेड़ में सुखबीर बादल पर निहंग का हमला, पीएम मोदी ने जाना हाल

नांदेड़(एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर महाराष्ट्र के नांदेड़ में हमला किए जाने की घटना सामने आई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 11 बजे तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब परिसर स्थित गुरुद्वारा माता साहिब कौर के पास एक निहंग ने सुखबीर बादल पर कृपाण से हमला किया। हमले में उनके हाथ में चोट आई है। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना में उनकी सुरक्षा में तैनात एक सुरक्षाकर्मी भी घायल हुआ है। घटना के तत्काल बाद सुरक्षा कर्मियों ने हमलावर को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस हमले के पीछे की वजह और आरोपी की मंशा का पता लगाने में जुटी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुखबीर सिंह बादल की पत्नी और अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल से फोन पर बातचीत की। प्रधानमंत्री ने सुखबीर बादल के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। घटना के बाद सुखबीर बादल की सुरक्षा और अस्पताल में उपचार की व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन सक्रिय हो गया है। पुलिस के अनुसार, हमला नांदेड़ स्थित गुरुद्वारा माता साहिब कौर के परिसर में हुआ। शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि हमलावर ने कृपाण से सुखबीर बादल पर हमला किया। इस दौरान उनकी सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी संतोष केंद्रे ने हमलावर को रोकने का प्रयास किया, जिसमें वह भी घायल हो गए। घटना के बाद परिसर और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों की निगरानी में पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। हमले से पहले सुखबीर सिंह बादल अपनी पत्नी हरसिमरत कौर बादल के साथ तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब पहुंचे थे। दोनों ने गुरुद्वारे में माथा टेका और अरदास की। इसके कुछ समय बाद ही गुरुद्वारा परिसर में हमले की घटना सामने आई। घटना से संबंधित कुछ वीडियो भी सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हुए हैं, जिनमें सुखबीर बादल को एक इमारत की ओर जाते हुए देखा जा सकता है।

आबकारी नीति मामला: केजरीवाल-सिसोदिया ने सीबीआई की याचिका खारिज करने की मांग की

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आबकारी नीति मामले में उन्हें निचली अदालत से मिली राहत को चुनौती देने वाली केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका का विरोध किया है। दोनों नेताओं ने दिल्ली उच्च न्यायालय में आवेदन दाखिल कर सीबीआई की पुनरीक्षण याचिका खारिज करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने याचिका की सुनवाई योग्य होने को लेकर प्रारंभिक आपत्तियां भी उठाई हैं। दोनों नेताओं की ओर से दाखिल आवेदनों में कहा गया है कि सीबीआई ने निचली अदालत के 27 फरवरी 2026 के आदेश के खिलाफ महज कुछ घंटे के भीतर पुनरीक्षण याचिका दायर कर दी। उनके अनुसार, जांच एजेंसी की याचिका में निचली अदालत के आदेश में किसी विशिष्ट कानूनी त्रुटि, अवैधता या न्यायिक विवेक के गलत इस्तेमाल को स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया है। मनीष सिसोदिया ने अपने आवेदन में कहा है कि सीबीआई ने निचली अदालत के फैसले के करीब चार घंटे के भीतर ही पुनरीक्षण याचिका दाखिल कर दी। उनका कहना है कि इतनी जल्दबाजी में दायर की गई याचिका में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि निचली अदालत ने किस आरोपी के मामले में किस आधार पर गलत निर्णय लिया। आवेदन में यह भी कहा गया है कि सीबीआई यह स्पष्ट करने में विफल रही है कि आरोपियों को आरोपमुक्त करने का आदेश किस तरह साक्ष्यों के अभाव में या कानून के विपरीत पारित हुआ। जांच एजेंसी ने यह भी नहीं बताया कि निचली अदालत ने किस महत्वपूर्ण साक्ष्य की अनदेखी की। सिसोदिया की ओर से दायर आवेदन में कहा गया है कि सीबीआई की याचिका व्यापक आरोपों पर आधारित है। इसमें प्रत्येक आरोपी के संबंध में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि आरोपमुक्त करने का आदेश किस तरह गलत था।

भारत बना दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मत्स्य उत्पादक देश

वैश्विक मत्स्य उत्पादन में करीब आठ प्रतिशत हिस्सेदारी, सरकार ने बताया

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत का मत्स्य और जलीय कृषि क्षेत्र तेजी से देश की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभर रहा है। सरकार ने सोमवार को बताया कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश बन गया है और वैश्विक मत्स्य उत्पादन में उसकी करीब आठ प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके साथ ही जलीय कृषि उत्पादन में भी भारत का स्थान दुनिया में दूसरा है। झींगा उत्पादन और निर्यात के क्षेत्र में भी भारत अग्रणी देशों में शामिल है। मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के अनुसार, देश में करीब तीन करोड़ मछुआरों और मत्स्य किसानों की आजीविका सीधे तौर पर इस क्षेत्र से जुड़ी है। मत्स्य उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन और विपणन तक की पूरी मूल्य शृंखला में बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिल रहा है। सरकार के मुताबिक, वर्ष 2015 से अब तक मत्स्य क्षेत्र के सतत विकास और आधुनिकीकरण के लिए 39,272 करोड़ रुपये का संचयी निवेश किया गया है। यह निवेश नीली क्रांति योजना, मत्स्य एवं जलीय कृषि अवसंरचना विकास कोष, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना तथा इसकी उप-योजना प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना के माध्यम से किया गया है। सरकार का कहना है कि इन योजनाओं का उद्देश्य मत्स्य क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं का विकास, उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाना, मछुआरों और मत्स्य किसानों की आय में वृद्धि करना तथा बाजार की पहुंच को मजबूत करना है। मंत्रालय के अनुसार, देश के मत्स्य क्षेत्र के भविष्य में युवाओं, मछुआरों और मछली किसानों की भूमिका महत्वपूर्ण है। युवा अब आधुनिक जलीय कृषि तकनीकों, डिजिटल निगरानी, शीत-शृंखला प्रबंधन, मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग, विपणन और निर्यात जैसी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी कर रहे हैं। सरकार का मानना है कि युवाओं और उद्यमशील मत्स्य किसानों की बढ़ती भागीदारी से देश की नीली अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। इससे मत्स्य क्षेत्र आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के प्रमुख माध्यम के रूप में और मजबूत होगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 8 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना को मंजूरी दी थी। यह प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत केंद्रीय क्षेत्र की उप-योजना है, जिसे वित्त वर्ष 2023-24 से 2026-27 तक चार वर्षों के लिए लागू किया जा रहा है। इस योजना के लिए करीब 6,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। योजना देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू है।

बलूचिस्तान में आईडी धमाका, दो की मौत

क्वेटा(एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हुए आईईडी धमाके में दो लोगों की मौत हो गई। धमाका एक वाहन में हुआ। स्थानीय पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने नाम न बताने की शर्त पर सिंहुआ न्यूज एजेंसी को बताया कि यह घटना रविवार को दोपहर करीब 3 बजे राजधानी क्वेटा में हुई। पुलिस ने बताया कि गाड़ी पानी के पाइपलाइन का सामान ले जा रही थी। सूत्रों के मुताबिक, मृतकों के शवों और कुछ घायलों को क्वेटा के एक अस्पताल ले जाया गया।झ यह हमला पिछले हफ्ते पाकिस्तानी एयर फोर्स द्वारा सुराब के गिदर इलाके में रिहायशी इलाकों में अंधाधुंध बमबारी करने के कुछ दिनों बाद हुआ है। उस हमले में महिलाओं और बच्चों समेत 30 से ज्यादा मासूम नागरिक मारे गए थे और कई घायल हो गए थे, जबकि प्रॉपर्टी को भी काफी नुकसान हुआ था। हमले की निंदा करते हुए, बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) की नेता सबिहा बलूच ने कहा कि इस घटना से पता चलता है कि पाकिस्तान कैसे बच्चों समेत बेगुनाह बलूच नागरिकों की हत्या करके अपने बनने और होने का दम भरता है, जिसे उन्होंने 'नरसंहार' बताया। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सबिहा ने कहा, 'वो इलाका पाकिस्तानी सेना से घिरा हुआ है। बचाव टीम, मेडिकल स्टाफ, एम्बुलेंस और पत्रकारों के आने-जाने पर पाबंदी लगा दी गई है। मानवीय मदद और स्वतंत्र दस्तावेजीकरण होने देने से रोकना मानवाधिकार संबंधी नियमों का पूरी तरह से उल्लंघन है और इस पर तुरंत अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ध्यान देने की जरूरत है।'

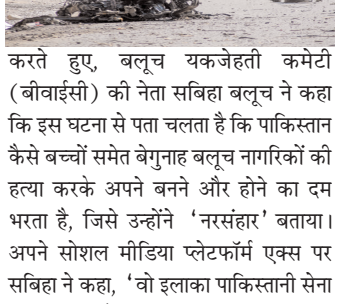

संपादकीय

आजादी का अमृत और आम आदमी

देश 79वें स्वतंत्रता दिवस की दहलीज पर खड़ा है। तिरंगा हर तरफ दिखाई दे रहा है, देशभक्ति के गीत वातावरण में गूंज रहे हैं और आजादी के संघर्ष की स्मृतियां फिर से हमारे सामने हैं। इन 79 वर्षों में भारत ने निस्संदेह लंबा सफर तय किया है। कभी खाद्यान्न के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहने वाला देश आज दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। अंतरिक्ष से लेकर डिजिटल तकनीक तक भारत ने अपनी क्षमता का परिचय दिया है। सड़क, रेल, बिजली, बैंकिंग, मोबाइल और इंटरनेट जैसी सुविधाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन को बदला है। लेकिन स्वतंत्रता दिवस केवल उपलब्धियों का उत्सव मनाने का अवसर नहीं है। यह आत्ममंथन का दिन भी है। सवाल यह नहीं कि भारत ने कितनी बड़ी इमारतें बनाईं, कितने किलोमीटर सड़कें बनाई या अर्थव्यवस्था कितनी बड़ी हुई। असली सवाल यह है कि इन उपलब्धियों का लाभ उस सामान्य नागरिक तक कितना पहुंचा, जिसके नाम पर विकास की पूरी राजनीति खड़ी की जाती है? किसी देश की वास्तविक प्रगति का सबसे विश्वसनीय पैमाना उसकी राजधानी के चमकते रास्ते नहीं, बल्कि छोटे शहर के दुकानदार, गांव के किसान, कारखाने के मजदूर, नौकरी तलाशता युवा, बच्चों की पढ़ाई के लिए संघर्ष करता परिवार और बीमारी के समय अस्पताल का खर्च उठाने वाला आम आदमी है। यही वह कसौटी है जिस पर आजादी के 79 वर्षों के सफर को परखना होगा। विकास की चमक और जिंदगी की वास्तविकता भारत में विकास दिखाई देता है। महानगरों में एक्सप्रेसवे हैं, नए हवाई अड्डे हैं, मेट्रो रेल है, डिजिटल भुगतान है और आधुनिक कारोबारी केंद्र हैं। छोटे शहर भी बदल रहे हैं। गांवों में सड़क और बिजली की पहुंच पहले की तुलना में बेहतर हुई है। मोबाइल फोन और इंटरनेट ने सूचना को लगभग हर हाथ तक पहुंचा दिया है। लेकिन विकास की यह तस्वीर पूरी कहानी नहीं है। एक तरफ भारत में तकनीक तेजी से आगे बढ़ रही है और दूसरी तरफ बड़ी संख्या में परिवार आज भी स्थायी और पर्याप्त आय की तलाश में हैं। एक तरफ डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार है और दूसरी तरफ रोजगार की गुणवत्ता, नियमित आमदनी और सामाजिक सुरक्षा की चिंता बनी हुई है। यही विरोधाभास आज के भारत की सबसे बड़ी चुनौती है। देश की अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ना महत्वपूर्ण है, लेकिन नागरिक की आर्थिक सुरक्षा उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। अगर किसी परिवार की आय बढ़ती महंगाई के सामने लगातार कमजोर पड़ रही है, अगर शिक्षा और स्वास्थ्य का खर्च उसके बजट को हिला देता है, अगर पढ़ा-लिखा युवा रोजगार के लिए वर्षों इंतजार करता है, तो केवल सकल आर्थिक वृद्धि के आंकड़े उसकी चिंता को समाप्त नहीं कर सकते। आम आदमी के लिए विकास का मतलब क्या है? सरकारों के लिए विकास के अनेक पैमाने हो सकते हैं। सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक उत्पादन, निर्यात, विदेशी निवेश, सड़क निर्माण, रेलवे परियोजनाएं और डिजिटल लेन-देन- ये सभी विकास की तस्वीर के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। लेकिन आम आदमी के लिए विकास की परिभाषा कहीं सरल है। उसके लिए विकास का अर्थ है—घर में पर्याप्त आमदनी, बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा, बीमारी में सस्ता और गुणवत्तापूर्ण इलाज, सुरक्षित रोजगार, सम्मानजनक जीवन, न्याय तक आसान पहुंच और भविष्य को लेकर भरोसा। एक किसान के लिए विकास का अर्थ केवल आधुनिक कृषि तकनीक नहीं, बल्कि उसकी उपज का उचित मूल्य और खेती को टिकाऊ बनाने वाली व्यवस्था भी है। एक मजदूर के लिए विकास का अर्थ केवल औद्योगिक परियोजना नहीं, बल्कि नियमित काम, उचित मजदूरी और सामाजिक सुरक्षा है। एक युवा के लिए विकास का अर्थ केवल स्टार्टअप या डिजिटल इंडिया नहीं, बल्कि अपनी योग्यता के अनुसार नौकरी या व्यवसाय का वास्तविक अवसर है। एक छोटे व्यापारी के लिए विकास का अर्थ केवल बड़े बाजार नहीं, बल्कि ऐसा कारोबारी वातावरण है जिसमें वह बिना अनावश्यक दबाव के अपना व्यवसाय चला सके। और एक सामान्य परिवार के लिए विकास का सबसे बड़ा अर्थ है—महीने के अंत में घर का बजट न बिगड़े। आजादी के 79 वर्षों में भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में एक विशाल युवा आबादी का निर्माण भी है। भारत का युवा वर्ग देश की सबसे बड़ी ताकत बन सकता है। लेकिन यही युवा वर्ग अगर रोजगार और अवसरों की कमी से निराश होता है तो यही ताकत चुनौती में बदल सकती है। शिक्षा प्राप्त करने के बाद नौकरी की तलाश में वर्षों भटकता युवा केवल अपना समय नहीं खोता, बल्कि उसका आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है। सरकारी नौकरियां सीमित हैं और निजी क्षेत्र में भी हर व्यक्ति को स्थायी सुरक्षा नहीं देती। 79 साल बाद सवाल वही है 79 साल पहले भारत ने विदेशी शासन की बेड़ियां तोड़ी थीं। आज हमारे सामने बेड़ियों का स्वरूप अलग है—गरीबी, बेरोजगारी, असमानता, महंगाई, भ्रष्टाचार, न्याय में देरी, अवसरों की असमानता और व्यवस्था के प्रति नागरिक का अविश्वास। इनसे लड़ाई किसी एक सरकार, दल या विचारधारा की जिम्मेदारी नहीं है। यह पूरे राष्ट्र की जिम्मेदारी है।आज जब हम तिरंगे को सलाम करेंगे तो हमें अपनी उपलब्धियों पर गर्व जरूर करना चाहिए। लेकिन गर्व के साथ आत्ममंथन भी जरूरी है। क्योंकि स्वतंत्रता दिवस का अर्थ केवल यह याद करना नहीं कि हम आजाद हुए थे। इसका अर्थ यह पूछना भी है कि क्या देश का अंतिम नागरिक अपने जीवन में उस आजादी को महसूस कर पा रहा है? भारत ने 79 वर्षों में बहुत कुछ हासिल किया है। अब चुनौती यह है कि विकास की चमक और आम आदमी की जिंदगी के बीच की दूरी कम की जाए। जब देश की आर्थिक प्रगति का लाभ शहर से गांव तक, उद्योग से मजदूर तक, तकनीक से सामान्य नागरिक तक और सरकारी योजना से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा, तभी विकास का दावा वास्तविक अर्थ में सफल माना जाएगा। आजादी का अमृत तभी सार्थक होगा, जब उसका स्वाद देश के हर नागरिक की जिंदगी में महसूस हो। तिरंगा केवल आसमान में ऊंचा न हो—हर भारतीय का जीवन भी सम्मान, अवसर और सुरक्षा के साथ उतना ही ऊंचा उठे। यही स्वतंत्रता के अगले पड़ाव की सबसे बड़ी परीक्षा है।

राजीव शुक्ला -(संपादक)

इफको फूलपुर: कृषि उत्कृष्टता को प्रेरित करना, भारत के भविष्य को मजबूत करना

इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको) एक प्रमुख बहु-राज्य सहकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1967 में 57 सहकारी समितियों द्वारा भारतीय कृषि को मजबूत करने, किसानों की समृद्धि बढ़ाने और देश की खाद्य सुरक्षा में योगदान करने के मिशन के साथ की गई थी। पिछले कुछ वर्षों में, इफको दुनिया के सबसे बड़े सहकारी संगठनों में से एक के रूप में विकसित हुआ है, जो देश भर में 35,600 से अधिक सहकारी समितियों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से 5 करोड़ से अधिक किसानों की सेवा कर रहा है।लगभग छह दशकों से, इफको ने गुणवत्तापूर्ण उर्वरक वितरित करके, टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देकर कृषि उत्पादकता को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, इफको ने नैनो उर्वरकों के विकास का बीड़ा उठाया है, जिसमें नैनो यूरिया (तरल), नैनो डीएपी (तरल) और नैनो एनपीके (दानेदार) के साथ-साथ नैनो एनपीके (तरल) जैसे क्रांतिकारी उत्पाद पेश किए गए हैं। ये अत्याधुनिक उर्वरक पोषक तत्वों के उपयोग की दक्षता को बढ़ाते हैं, पारंपरिक उर्वरकों की खपत को कम करते हैं, कृषि के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हैं और टिकाऊ फसल उत्पादन का समर्थन करते हैं। इफको का नैनो तरल उर्वरक, केवल 20-50 नैनोमीटर के कणों के आकार के साथ, पत्तेदार स्प्रे या मिट्टी के अनुप्रयोग के माध्यम से सीधे पौधे के तनों और जड़ों में प्रवेश करता है। फसलें तुरंत 80-90 प्रतिशत पोषक तत्वों को अवशोषित कर लेती हैं, जिससे विकास, क्लोरोफिल सामग्री और प्रकाश संश्लेषण को 20-30 प्रतिशत तक बढ़ाया जाता है, जैसा कि 13 राज्यों में 15,000 से अधिक किसान परीक्षणों में यह साबित हुआ है। पिछले साल भारत में लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये के आयातित उर्वरकों की खपत हुई थी, इफको नैनो उर्वरक के उपयुक्त उपयोग और अनुप्रयोग में हमारे विदेशी भंडार की रक्षा करने और आयातित उर्वरकों पर देश की निर्भरता को कम करने की क्षमता है। इफको ने अपने नैनो उर्वरकों को दक्षिण पूर्व एशिया, अफ्रीका और उत्तरी अमेरिका के देशों में निर्यात करके उनकी वैश्विक पहुंच का विस्तार किया है। हाल ही में, कंपनी को कोलंबिया को नैनो उर्वरकों के निर्यात के लिए आवश्यक नियामक अनुमोदन प्राप्त हुआ, जिससे इसकी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति और मजबूत हुई। अपने उत्पादों के निर्यात के अलावा, इफको अपनी पेटेंट की गई नैनो उर्वरक तकनीक को भागीदार देशों के साथ भी साझा कर रहा है, जिससे दुनिया भर के किसान टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने और अभिनव और पर्यावरण के अनुकूल समाधानों के माध्यम से फसल उत्पादकता में सुधार करने में सक्षम हो सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन एवं माननीय श्री अमित शाह जी के नेतृत्व में, सहकारिता मंत्रालय ने स्थापना के गौरवशाली 5 वर्ष पूरे किए हैं। इफको 'सहकार से समृद्धि', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'आत्मनिर्भर कृषि' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ मजबूती से जुड़ा हुआ है। 'समृद्ध किसान, समृद्ध राष्ट्र' की सहकारी भावना से निर्देशित, इफको सहकारी आंदोलन को मजबूत करने और पूरे भारत में लाखों किसानों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम करना जारी रखे हुए है। गुणवत्तापूर्ण कृषि इनपुट प्रदान करके, नवीन तकनीकों को अपनाकर और किसान-केंद्रित पहलों को लागू करके, इफको फसल उत्पादकता में सुधार करने में मदद करता है, ग्रामीण विकास का समर्थन करता है और भारत की खाद्य सुरक्षा और कृषि आत्मनिर्भरता में योगदान देता है।वर्ष 2025-26 में, इफको ने पूरे भारत में अपनी पांच अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाओं से लगभग 91 लाख मीट्रिक टन पारंपरिक उर्वरकों का उत्पादन किया, जो देश के फॉस्फेटिक उर्वरकों में लगभग 27 प्रतिशत और नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों में 20 प्रतिशत का योगदान देता है। पिछले साल इफको उर्वरक की बिक्री 121 लाख मीट्रिक टन से अधिक पारंपरिक उर्वरकों की थी।इफको के व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो - जिसमें नाइट्रोजन, फॉस्फेटिक, जैव उर्वरक, पानी में घुलनशील विशेष उत्पाद नैनो उर्वरक ने कृषि उत्पादकता और स्थिरता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिछले वित्तीय वर्ष में नैनो उर्वरक की बिक्री 288 लाख बोतलों की हुई थी। इफको की इंडियन पोटाश लिमिटेड में 34 प्रतिशत हिस्सेदारी है जो भारत सरकार के लिए रणनीतिक महत्व रखता है। आईपीएल भारत की अग्रणी उर्वरक कंपनियों में से एक और देश के खाद्य सुरक्षा मिशन में एक प्रमुख भागीदार के रूप में विकसित हुआ है। इफको फूलपुर इकाई में 1981 से यूरिया का व्यावसायिक उत्पादन किया गया था और तब से इफको फूलपुर इकाई भारत के उर्वरक पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, यूनिट ने 19.47 लाख मीट्रिक टन से अधिक नीम लेपित यूरिया का उत्पादन किया। स्थापना के बाद से, फूलपुर इकाई ने 548.5 लाख मीट्रिक टन से अधिक यूरिया उर्वरक का उत्पादन किया है, जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। अब तक, फूलपुर इकाई ने नैनो यूरिया प्लस लिक्विड की 244.8 लाख बोतलें और नैनो डीएपी लिक्विड की 12.1 लाख बोतलें (प्रत्येक 500 मिलीलीटर) का उत्पादन किया है। कुल मिलाकर, ये लगभग 11.5 लाख मीट्रिक टन पारंपरिक उर्वरकों के बराबर हैं, जो टिकाऊ कृषि में इफको फूलपुर के महत्वपूर्ण योगदान और अगली पीढ़ी की उर्वरक प्रौद्योगिकियों में इसके नेतृत्व को उजागर करते हैं। उर्वरक विभाग, भारत सरकार द्वारा संशोधित ऊर्जा मानदंडों के कार्यान्वयन के साथ, परिचालन विश्वसनीयता बढ़ाना और ऊर्जा दक्षता में सुधार करना उर्वरक विनिर्माण इकाइयों के लिए महत्वपूर्ण प्राथमिकताएं बन गई हैं। फूलपुर-I के लिए नए ऊर्जा मानकों को 6.5 गीगा कैलोरी/मैट्रिक टन से घटाकर 6.278 गीगा कैलोरी/मैट्रिक टन और फूलपुर-II में 5.5 गीगा कैलोरी/मैट्रिक टन से घटाकर 5.376 गीगा कैलोरी/मैट्रिक टन कर दिया गया है। नीति में इस एकल बदलाव के साथ; इससे लगभग 110 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रभाव पड़ेगा। अप्रैल 2025 में त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय अधिनियम के दिशानिर्देशों के तहत, भारत का पहला राष्ट्रीय सहकारी विश्वविद्यालय त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय (TSU) गुजरात के आनंद में स्थापित किया गया है। जिसका लक्ष्य सहकार से समृद्धि के दृष्टिकोण को साकार करने एवं सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए कुशल कार्यबल का निर्माण करना है। नवाचार इफको के दृष्टिकोण के केंद्र में रहता है। एआई-संचालित किसान ड्रोन ने नैनो उर्वरकों के अनुप्रयोग में सटीकता का एक नया स्तर पेश किया है, जो एक समान छिड़काव सुनिश्चित करता है, पोषक तत्वों के उपयोग दक्षता में सुधार करता है, लागत को कम करता है और कृषि उत्पादकता में वृद्धि करता है। साथ ही, प्रौद्योगिकी ग्रामीण युवाओं और उद्यमियों के लिए आजीविका के नए अवसर पैदा कर रही है। इफको महिलाओं को ड्रोन संचालन और रखरखाव में प्रशिक्षित करके भारत सरकार की नमो ड्रोन दीदी पहल का भी समर्थन कर रहा है, जिससे वे कृषि क्षेत्र में कुशल सेवा प्रदाता और उद्यमी बन सकें। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में आय के स्थायी स्रोत बनाते हुए आधुनिक खेती में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने में मदद कर रही है। इफको फूलपुर इकाई को उत्पादन, ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा में उत्कृष्टता के लिए लगातार प्रशंसा मिली है। कैलेंडर वर्ष में प्राप्त उल्लेखनीय पुरस्कारों में शामिल हैं: ष्इफको फूलपुर ने 2025 के दौरान अच्छे स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए ब्रिटिश सुरक्षा परिषद के अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार 2026 में प्रतिष्ठित 'डिस्टिंक्शन अवार्ड' प्राप्त करके वैश्विक मान्यता प्राप्त की है। पुरस्कार समारोह 21 मई 2026 को मुंबई में आयोजित किया गया था। इफको फूलपुर इकाई को 'ग्रो केयर इंडिया एनवायरनमेंट एक्सीलेंस अवार्ड्स - 2025' के लिए उर्वरक क्षेत्र में स्वर्ण पुरस्कार मिला है। इस पुरस्कार को 17 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में सम्मानित किया गया। इफको फूलपुर इकाई को ग्रो केयर इंडिया पर्यावरण उत्कृष्टता पुरस्कार-2025 के उर्वरक क्षेत्र में स्वर्ण पुरस्कार मिला है। इस पुरस्कार को 17 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में सम्मानित किया गया। इफको का यह मानना है कि असली सफलता ग्रामीण भारत की प्रगति और कल्याण में निहित है। कॉर्डेट (कोआपरेटिव रूरल डेवलपमेंट ट्रट) एवं यहाँ स्थापित मोतीलाल नेहरू किसान प्रशिक्षण संस्थान किसानों को आधुनिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। इफको फूलपुर इकाई स्थानीय समुदायों से प्राप्त नीम के बीज का उपयोग करके नीम लेपित यूरिया ,जैव-उर्वरक और नीम के तेल का भी उत्पादन करती है, जिससे स्थायी कृषि और ग्रामीण आजीविका दोनों का समर्थन होता है। इफको फूलपुर इकाई केंद्रीय विद्यालय कल्याण कार्यक्रम, समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम (आईआरडीपी), महिला चेतना क्लब और ओम कल्याण समिति जैसी पहलों के माध्यम से सामुदायिक विकास में सक्रिय रूप से योगदान देती है। ये कार्यक्रम स्वच्छता सुविधाएं, सुरक्षित पेयजल, सौर प्रकाश, स्वास्थ्य सेवाएं, शैक्षिक सहायता और आवश्यक आपूर्ति का वितरण प्रदान करके आस-पास के गांवों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

विभाजन की विभीषिका को स्मरण कर एकता का संकल्प

(आदर अदीब पावेल बन्धु)
जिला सूचना अधिकारी

भारत के इतिहास में स्वतंत्रता का क्षण जितना गौरवपूर्ण था, उसके साथ जुड़ी विभाजन की त्रासदी उतनी ही पीड़ादायक थी। 15 अगस्त 1947 को देश ने पराधीनता की बेड़ियां तोड़कर स्वतंत्रता का सूर्य देखा, लेकिन इसी कालखंड में लाखों लोगों ने अपने घर, परिवार, संपत्ति और जन्मभूमि से बिछुड़ने का असहनीय दर्द भी झेला। विभाजन केवल भारत के भूगोल का बंटवारा नहीं था, बल्कि यह करोड़ों मनुष्यों की भावनाओं, स्मृतियों और जीवन की दिशा को बदल देने वाली ऐतिहासिक त्रासदी थी। विभाजन के दौरान लाखों लोगों को अपना घर-बार छोड़कर अनजान स्थानों की ओर पलायन करना पड़ा। अनेक परिवार अपनों से बिछड़ गए, असंख्य लोगों ने अपने प्राण गंवाए और बड़ी संख्या में लोगों ने वर्षों तक विस्थापन की पीड़ा को अपने हृदय में संजोए रखा। यह पीड़ा केवल उस पीढ़ी तक सीमित नहीं रही, बल्कि उनकी स्मृतियों और अनुभवों के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों तक पहुंची। इसलिए विभाजन की विभीषिका को स्मरण करना इतिहास के एक दुखद अध्याय को दोहराना नहीं, बल्कि उससे सीख लेकर भविष्य को सुरक्षित और बेहतर बनाने का संकल्प लेना है। इसी भाव और संवेदना के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विभाजन की त्रासदी में अपने प्राण गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देना, विस्थापन का दंश झेलने वाले परिवारों के संघर्ष और साहस को सम्मान देना तथा नई पीढ़ी को उस दौर की पीड़ा से परिचित कराना है। यह दिवस राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता के महत्व को भी रेखांकित करता है। इस अवसर पर लखनऊ में सरदार पटेल पार्क में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर विभाजन की विभीषिका में पीड़ित हुए लोगों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दोनों उपमुख्यमंत्रियों तथा मंत्रिमंडल के सदस्यों ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके पश्चात सरदार पटेल पार्क से लोकभवन तक मौन यात्रा निकाली गई। मौन यात्रा उस पीड़ा के प्रति संवेदना की अभिव्यक्ति थी, जिसे शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं। यह मौन उन लाखों लोगों की स्मृतियों के सम्मान के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक बना। सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अपना विशेष महत्व है। भारत की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने में सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान अतुलनीय रहा। उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से देश को एकता के सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य किया। ऐसे महान राष्ट्रनायक की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि और उसके बाद निकली मौन यात्रा ने विभाजन की पीड़ा और राष्ट्रीय एकता के संकल्प को एक साथ जोड़ दिया। मौन यात्रा के पश्चात लोकभवन के सभागार में विभाजन की त्रासदी से प्रभावित विभिन्न धर्मों के लोगों ने अपने जीवन की पीड़ादायक स्मृतियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि किस प्रकार विभाजन के दौरान उन्हें अपने घरों, परिचित परिवेश और प्रियजनों से बिछड़ना पड़ा। उनके अनुभवों में पीड़ा भी थी, संघर्ष भी था और विपरीत परिस्थितियों में जीवन को फिर से खड़ा करने का अदम्य साहस भी। सभागार में साझा की गई ये आपबीती केवल व्यक्तिगत कहानियां नहीं थीं, बल्कि इतिहास के उस दौर की जीवंत स्मृतियां थीं, जिन्होंने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभाजन पीड़ितों की आपबीती को संवेदनशीलता के साथ सुना और उनका सम्मान किया। विभाजन की पीड़ा झेलने वाले लोगों को सम्मानित करना उस पीढ़ी के साहस, धैर्य और संघर्ष को नमन करना है, जिसने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने जीवन को पुन: स्थापित किया और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके अनुभव यह बताते हैं कि मनुष्य का साहस किसी भी विपदा से बड़ा होता है और राष्ट्र की चेतना किसी भी त्रासदी के बाद पुन: उठ खड़ी होने की क्षमता रखती है। विभाजन की त्रासदी से पीड़ित विभिन्न धर्मों के लोगों का एक मंच पर अपनी पीड़ा साझा करना भारतीय समाज की उस सांस्कृतिक शक्ति का भी प्रतीक है, जिसमें विविधता के बावजूद एकता और मानवीय संवेदना सर्वोपरि है। विभाजन ने लोगों को बांटा था, लेकिन समय ने यह भी सिद्ध किया कि भारत की आत्मा को स्थायी रूप से विभाजित नहीं किया जा सकता। पीड़ितों की स्मृतियों को सम्मान देना इसी मानवीय एकता का संदेश देता है।वर्तमान सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाना इस बात का प्रमाण है कि इतिहास के इस पीड़ादायक अध्याय को विस्मृत नहीं होने दिया जा रहा है। स्मृति दिवस के माध्यम से युवा पीढ़ी को यह समझने का अवसर मिलता है कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सौहार्द कितने महत्वपूर्ण हैं। इतिहास की गलतियों से सीख लेकर ही एक ऐसा भविष्य बनाया जा सकता है, जहां समाज में अविश्वास और वैमनस्य के लिए कोई स्थान न हो।विभाजन की पीड़ा हमें यह भी सिखाती है कि राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी सीमाओं में नहीं, बल्कि नागरिकों के बीच विश्वास, सद्भाव और एकता में निहित होती है। भारत की विविधता उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी ताकत है। अलग-अलग धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं के लोग जब राष्ट्रहित के एक सूत्र में बंधते हैं, तभी भारत की वास्तविक शक्ति प्रकट होती है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित यह कार्यक्रम इसी व्यापक संदेश को सामने रखता है कि अतीत की पीड़ा को स्मरण करते हुए वर्तमान को सजग और भविष्य को सुरक्षित बनाया जाए। सरदार पटेल पार्क में पुष्पांजलि, लोकभवन तक मौन यात्रा और विभाजन पीड़ितों की आपबीती सुनना—इन सभी गतिविधियों ने मिलकर विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस को संवेदना, श्रद्धा और राष्ट्रीय संकल्प का स्वरूप प्रदान किया। विभाजन की विभीषिका का दर्द हमारे इतिहास का ऐसा अध्याय है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता और न ही भुलाया जाना चाहिए। लेकिन इस दर्द को स्मरण करने का उद्देश्य नफरत को जन्म देना नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारे, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना होना चाहिए। विभाजन पीड़ितों के संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेकर हमें ऐसा भारत बनाने का संकल्प लेना होगा, जहां हर नागरिक स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और राष्ट्र की विकास यात्रा का अभिन्न हिस्सा महसूस करे। आज आवश्यकता है कि हम विभाजन की स्मृतियों को संजोते हुए उनसे एकता का संदेश ग्रहण करें। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें यही प्रेरणा देता है कि इतिहास की पीड़ा से सीख लेकर भविष्य की राह प्रशस्त की जाए। उन सभी ज्ञात-अज्ञात लोगों को नमन, जिन्होंने विभाजन की त्रासदी में अपने प्राण गंवाए, अपने घर खोए और विस्थापन का दर्द सहा। उनकी स्मृतियां हमारी राष्ट्रीय चेतना को सदैव यह संदेश देती रहें कि भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता ही राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है।

मेष-मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन सक्रियता और तेजी से काम पूरा करने वाला हो सकता है। आपकी आक्रामक कार्यशैली कई महत्वपूर्ण कामों को समय से पहले पूरा कराने में मदद करेगी, लेकिन बहुत अधिक कठोर रवैया अपनाने से आसपास के लोगों से दूरी भी बढ़ सकती है।

वृषभ-वृषभ राशि के जातकों के लिए आज बदलावों का दिन रह सकता है। पुरानी कार्यप्रणाली या परंपरागत सोच में परिवर्तन करने की आवश्यकता महसूस होगी।

मिथुन-मिथुन राशि के जातकों को आज अपनी मेहनत का परिणाम मिलने से संतोष महसूस होगा। लंबे समय से किए जा रहे किसी प्रयास में प्रगति दिखाई दे सकती है।

कर्क-कर्क राशि के जातकों के लिए मिल-जुलकर किए गए कार्यों में सफलता मिलने की संभावना है। सहयोगियों या परिवार के लोगों के साथ सामंजस्य बनाकर चलेंगे तो कई काम अपेक्षा से जल्दी पूरे हो सकते हैं।

सिंह-सिंह राशि के जातकों के लिए आज महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता देकर पूरा करने का समय है। परिस्थितियां आपके पक्ष में रह सकती हैं, इसलिए उपलब्ध अवसरों का समझदारी से उपयोग करना लाभकारी रहेगा।

कन्या-कन्या राशि के जातकों के लिए आज छोटी यात्राओं के योग बन सकते हैं। पर्यटन, धार्मिक गतिविधियों या पारिवारिक कारणों से यात्रा करनी पड़ सकती है। आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुछ समय के लिए ऋण लेने की आवश्यकता महसूस हो सकती है, इसलिए अपनी वित्तीय क्षमता को ध्यान में रखकर ही निर्णय लें।

तुला-तुला राशि के जातकों के लिए आज अपनी सुविधाओं और कार्यक्षमता को बेहतर बनाने का समय है। काम करने का वातावरण अनुकूल बनाने से आपकी उत्पादकता बढ़ सकती है।

वृश्चिक-वृश्चिक राशि के जातकों को आज अपने लक्ष्य पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित रखने की आवश्यकता होगी। एक साथ कई काम हाथ में लेने से आपकी एकाग्रता प्रभावित हो सकती है और महत्वपूर्ण कामों में देरी हो सकती है।

धनु-धनु राशि के जातकों के लिए आज राहत देने वाला दिन हो सकता है। लंबे समय से चली आ रही कुछ परेशानियों का समाधान मिलने की संभावना है और आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत दिखाई दे सकते हैं।

मकर-मकर राशि के जातकों को आज कामकाज में विशेष सतर्कता बरतनी होगी। पुराने सहयोगियों या साथ काम करने वाले लोगों पर आवश्यकता से अधिक भरोसा करने से बचना उचित रहेगा।

कुंभ-कुंभ राशि के जातकों के लिए आज जिम्मेदारियों को पूरा करने में समय और संसाधन दोनों खर्च हो सकते हैं। कई काम एक साथ सामने आने के कारण व्यस्तता बढ़ेगी, लेकिन योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर आप सभी जिम्मेदारियों को संभाल पाएंगे।

मीन-मीन राशि के जातकों को आज न्यायालय या विवाद से जुड़े मामलों में विशेष सावधानी रखनी होगी। किसी कानूनी विषय में अपना पक्ष मजबूती से रखने के लिए पहले से पूरी तैयारी करना जरूरी होगा।

दांतों का पीलापन : बेकिंग सोडा से नींबू तक, जानिए किसका है फायदा और किससे हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली ।सफेद और चमकदार दांत हर किसी को अच्छे लगते हैं। हंसते समय साफ दांत चेहरे की खूबसूरती बढ़ाते हैं और आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं। यही वजह है कि आजकल सोशल मीडिया पर दांतों को जल्दी सफेद करने के कई घरेलू तरीके बताए जाते हैं। कोई बेकिंग सोडा से दांत साफ करने की सलाह देता है, तो कोई नींबू, हल्दी या सिरके का इस्तेमाल करने की बात करता है। कई वीडियो में तो यह तक दावा किया जाता है कि कुछ ही मिनटों में दांतों का पीलापन दूर किया जा सकता है। लेकिन दांतों का रंग बदलना इतना आसान नहीं होता। कुछ घरेलू चीजें दांतों के ऊपर जमा हल्के दाग को थोड़ी देर के लिए कम कर सकती हैं, लेकिन इससे दांत अंदर से सफेद नहीं होते। इसलिए दांतों को सफेद करने से पहले यह समझना जरूरी है कि उनका रंग क्यों बदलता है और अलग-अलग घरेलू चीजें दांतों पर क्या असर डालती हैं। दांतों के पीले दिखने की सबसे आम वजह खाने-पीने की चीजें हो सकती हैं। चाय, कॉफी, तंबाकू और कार्बोनेटेड पेय पदार्थों में मौजूद वर्णक दांतों की इनेमल सतह पर चिपक जाते हैं। नियमित रूप से मुंह और दांतों की उचित स्वच्छता न अपनाने पर यह वर्णक स्थायी रूप से पीले या भूरे दागों में बदल जाते हैं। उम्र बढ़ने के साथ भी दांतों का रंग बदलना सामान्य है। दांतों के बाहर एक मजबूत परत होती है, जिसे इनेमल कहते हैं। समय के साथ यह परत थोड़ी पतली हो जाती है। इसके नीचे डेंटिन नाम की परत होती है, जिसका रंग प्राकृतिक रूप से हल्का पीला होता है। इनेमल पतला होने पर डेंटिन ज्यादा दिखाई देता है और दांत पीले लग सकते हैं। ऐसी स्थिति में सिर्फ ऊपर से दाग साफ करने से दांत पूरी तरह सफेद नहीं होते। बात करें अगर बेकिंग सोडा की, तो बेकिंग सोडा दांतों को साफ करने वाले कई टूथपेस्ट में भी इस्तेमाल होता है। यह दांतों की सतह पर मौजूद कुछ दागों को हल्के तरीके से हटाने में मदद करता है, लेकिन दांत का प्राकृतिक रंग नहीं बदलता। कई लोग बेकिंग सोडा लेकर उसे बार-बार और जोर से दांतों पर रगड़ने लगते है। ज्यादा रगड़ने से दांतों की बाहरी परत घिस सकती है। इससे दांतों में ठंडा-गरम लगने की परेशानी यानी संवेदनशीलता बढ़ जाती है। इसलिए बेकिंग सोडा को दांत सफेद करने का चमत्कारी घरेलू उपाय समझना सही नहीं है।वहीं नींबू और सिरका दांतों के लिए नुकसानदायक हो सकते है। नींबू और सिरका खट्टे होते हैं। इनमें मौजूद एसिड दांतों की बाहरी परत को धीरे-धीरे कमजोर करता है। अगर कोई व्यक्ति इन्हें बार-बार दांतों पर लगाता है या इनसे दांत रगड़ता है, तो इनेमल को नुकसान पहुंच सकता है। इनेमल खराब होने के बाद वह पहले जैसा वापस नहीं बन पाता। इसके कमजोर होने पर दांतों में झनझनाहट की परेशानी हो सकती है। साथ ही नीचे मौजूद पीली परत ज्यादा दिखाई देने लगती है। दांत सफेद करने के चक्कर में उल्टा उनका पीलापन ज्यादा नजर आ सकता है।

दांतों को सफेद रखने के लिए कई वैज्ञानिक तरीके मौजूद है। दांतों को सफेद करने वाले कई वैज्ञानिक प्रोडक्ट्स में पेरोक्साइड नाम का पदार्थ इस्तेमाल होता है। यह दांतों में मौजूद उन कणों पर असर करता है, जिनकी वजह से दांत पीले दिखाई देते हैं। यह इन कणों को छोटे हिस्सों में तोड़ने में मदद करता है।बाजार में मिलने वाले सही तरीके से बने व्हाइटनिंग स्ट्रिप्स और जैल धीरे-धीरे असर दिखा सकते हैं। वहीं, डेंटिस्ट की देखरेख में होने वाली व्हाइटनिंग आमतौर पर ज्यादा सुरक्षित और बेहतर तरीके से की जाती है।

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

19 अगस्त तक आंधी-तूफान व भारी बारिश की चेतावनी

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आदित्य कुमार प्रजापति ने मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के मद्देनज़र जनपद में आगामी दिनों के दौरान मेघगर्जन, वज्रपात, तेज आंधी और भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए अलर्ट जारी किया है। उन्होने बताया है कि मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी चेतावनी के तहत जनपद प्रतापगढ़ में 19 अगस्त तक सक्रिय मानसूनी परिस्थितियों के कारण मेघगर्जन, वज्रपात, तेज हवाएं तथा कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। उन्होने बताया कि 17 अगस्त तक ऑरेंज जोन व 18 एवं 19 अगस्त को यलो जोन में प्रर्दशित किया गया है।उन्होने बताया है कि आसमानी बिजली के झटके से घायल होने पर पीड़ित व्यक्ति को तत्काल नजदीकी प्राथमिक चिकित्सा केंद्र ले जाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। एडवाइजरी में कहा गया है कि बिजली गिरने की घटनाओं से बचाव के लिए सचेत एवं दामिनी मोबाइल ऐप को अनिवार्य रूप से डाउनलोड करें, जिससे मौसम संबंधी पूर्व चेतावनी समय रहते प्राप्त हो सके और संभावित क्षति को कम किया जासके। आमजन से अपील की गई है कि मौसम संबंधी ताजा सूचनाओं पर नजर रखें और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

कुलाबा समितियों की निर्वाचक नामावली में 22 अगस्त तक दर्ज करा सकेंगे दावे-आपत्तिया

प्रतापगढ़। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/अधिशासी अभियन्ता शारदा सहायक खण्ड-41 अमेठी ने बताया है कि शारदा सहायक खण्ड-41 अमेठी के अंतर्गत नहरों की कुलाबा समितियों के चुनाव की प्रक्रिया को लेकर निर्वाचक नामावली के आलेख का अंतिम प्रकाशन किया गया है। चुनाव अधिकारी एवं मुख्य अभियन्ता (शारदा सहायक), सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश के निर्धारित कार्यक्रम के क्रम में संबंधित कुलाबा समितियों की निर्वाचक नामावली निरीक्षण के लिए निर्धारित स्थलों पर उपलब्ध रहेगी। प्रकाशित नामावली में जौनपुर शाखा की किमी 48.000 से 56.000 के मध्य निकलने वाली अल्पिकाओं के कुलाबे तथा रिछेरा रजबहा, अठेहा रजबहा के कुलाबे एवं उनसे निकलने वाली अल्पिकाओं के कुलाबे शामिल हैं। इसकी नामावली कार्यालय जिलेदारी प्रथम जायस में निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगी। इसी प्रकार जौनपुर शाखा की किमी 41.000 से 48.000 के मध्य निकलने वाली अल्पिकाओं के कुलाबे तथा जायस रजबहा के कुलाबे एवं उससे निकलने वाली अल्पिकाओं के कुलाबे कार्यालय जिलेदारी द्वितीय गौरीगंज में उपलब्ध रहेंगे। सिंधुपुर रजबहा प्रणाली के अंतर्गत सिंधुपुर, शिवरतनगंज, भवानीपुर, राजापुर, हारीमऊ एवं रस्तामऊ रजबहा के कुलाबे तथा समस्त अल्पिकाओं के कुलाबों की निर्वाचक नामावली कार्यालय जिलेदारी तृतीय तातारपुर में निरीक्षण के लिए रखी गई है।

उद्योग व्यापार मंडल ब्लाक लोटन की नवीन कार्यकारिणी का गठन

लोटन (सिद्धार्थनगर)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल लोटन ब्लाक की एक महत्वपूर्ण बैठक कस्बा स्थित ब्लाक सभागार में शनिवार को आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्र के बड़ी संख्या में व्यापारियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाते हुए व्यापारियों की समस्याओं के समाधान हेतु नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जानकारी के अनुसार बैठक में सर्वसम्मति से उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन लोटन ब्लाक की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। नवगठित पदाधिकारियों ने संगठन की गरिमा बनाए रखते हुए व्यापारी हितों की रक्षा, व्यापारियों के अधिकारों के लिए संघर्ष तथा संगठन को गांव-गांव और बाजार-बाजार तक मजबूत करने का संकल्प लिया।बैठक में व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं, बाजारों में व्याप्त अव्यवस्थाओं, व्यापारिक सुरक्षा, सरकारी योजनाओं के लाभ तथा स्थानीय व्यापार से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी व्यापारियों ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने और व्यापारी हितों की लड़ाई को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अजय कसौधन, जिला संरक्षक जितेंद्र सिंह,जिला उपाध्यक्ष शुभम श्रीवास्तव, जिला मीडिया प्रभारी प्रदीप वर्मा की उपस्थिति में लोटन ब्लाक का अध्यक्ष अनुराग कसौधन को चुना गया। उन्होंने कहा कि संगठन सदैव व्यापारी समाज के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध रहेगा तथा किसी भी व्यापारी के साथ अन्याय होने पर संगठन पूरी मजबूती से उसके साथ खड़ा रहेगा।

सीडीओ एवं एसपी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनी शिकायतें, 06 शिकायतों का हुआ निस्तारण

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 राममोहन मीना की अध्यक्षता में तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सदर तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 95 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से 06 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 95 शिकायतों में से 40 शिकायतें राजस्व विभाग से, पुलिस विभाग से 35, विकास विभाग से 10, विद्युत विभाग से 06 एवं 04 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायते प्राप्त हुई। पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतों को पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर द्वारा सुना गया। सीडीओ ने प्रत्येक प्रार्थना पत्र पर गंभीरता से कार्रवाई सुनिश्चित करने और शिकायतों का समाधान समयबद्ध, पारदर्शी तथा निष्पक्ष तरीके से करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। सीडीओ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं की समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान सीडीओ ने विशेष रूप से भूमि संबंधी मामलों पर गंभीरता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजी जाए और विवादों का निष्पक्ष एवं शीघ्र निस्तारण कराया जाए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने भी पुलिस अधिकारियों एवं थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को संवेदनशीलता एवं विनम्रता के साथ सुना जाए तथा निष्पक्ष जांच कर पीड़ितों को न्याय दिलाया जाए। इस अवसर पर ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी सदर अनुष्का शर्मा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री छत्रपाल बाबा पंडित बलभद्र प्रसाद पूर्व माध्यमिक विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

बिसवां/सीतापुर श्री छत्रपाल बाबा पंडित बलभद्र प्रसाद पूर्व माध्यमिक विद्यालय अल्लीपुर में बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालय के बच्चों द्वारा निकाली गई तिरंगा रैली रैली के पश्चात ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न हुआ उसके बाद बच्चों के द्वारा कविता स्पीच और भाषण सुनने का अवसर मिला। विद्यालय के बच्चों के साथ-साथ कई अभिभावक भी उपस्थित रहे के ग्राम पेंडरा के प्रधान आलोक यादव जी, जिनके द्वारा बच्चों को मिष्ठान वितरण किया गया है, सिकंदरपुर निवासी आयुष सिंह के द्वारा बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रजनीकांत दीक्षित जी के द्वारा बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। विद्यालय परिवार के सभी अध्यापक अध्यापिकाओं को सफल कार्यक्रम हेतु धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ.. जय हिंद जय भारत..

किसानों की मांगों को लेकर भाकियू ने ज्ञापन सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांसी (सिद्धार्थनगर)। किसानों और मजदूरों की विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) गुट के कार्यकर्ताओं ने तहसील अध्यक्ष देवेंद्र नाथ मिश्रा की अगुवाई में तहसील मुख्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी की अनुपस्थिति में तहसीलदार पीयूष श्रीवास्तव को सौंपा।

दर्जनों ट्रैक्टरों के साथ तहसील परिसर पहुंचे किसानों ने किसान यूनियन जिंदाबाद के नारे लगाए। ज्ञापन में सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, किसानों की कर्जमाफी, खेतिहर मजदूरों की समस्याओं का समाधान, भूमिहीन परिवारों को मुआवजा और मजदूरों के लिए न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित करने की मांग की गई।

किसान यूनियन ने मनरेगा में रोजगार की गारंटी, बिजली के निजीकरण से संबंधित प्रावधान वापस लेने तथा बीज विधेयक और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों को वापस लेने की भी मांग उठाई। इसके अलावा भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजा, वनाधिकार कानून और पंचायतों के अधिकारों को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग रखी गई।

श्री अन्न के सेवन से किसानों को मिलेट्स की फसलों और उत्पादों के लाभ बताए गए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। श्री अन्न (मिलेट्स) के उपभोग के प्रति आमजन एवं किसानों को जागरूक करने के उद्देश्य से जनपद में विकास खंड स्तर शुरू प्रशिक्षण कार्यक्रम 17 से 20 अगस्त तक आयोजित कर किसानों को मिलेट्स फसलों, उनसे तैयार होने वाले उत्पादों तथा उनके उपयोग से होने वाले लाभों की जानकारी दी जा रही है। सोमवार को विकास खंड बाबा बेलखरनाथधाम, मंगरौरा, सदर, पट्टी एवं आसपुर देवसरा में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें संबंधित विकास खंडों के किसानों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया और मिलेट्स की उपयोगिता एवं लाभों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबंधित विकास खंडों के खंड विकास अधिकारी, शैलेन्द्र कुमार त्रिपाठी एवं वीर विक्रम सिंह वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप-ए, सुनील कुमार सिंह तकनीकी सलाहकार, राजेन्द्र उपाध्याय, सुरेश कुमार सिंह तथा संबंधित विकास खंडों के बीज भंडार प्रभारी एवं प्रशिक्षकों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षकों ने किसानों को मिलेट्स फसलों एवं उनसे तैयार होने वाले विभिन्न उत्पादों तथा उनके उपयोग से होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होने बताया है कि मिलेट्स प्रशिक्षण कार्यक्रम के अगले चरण में 18 अगस्त को विकास खंड सांगीपुर, कालाकांकर, मान्धाता, कुण्डा एवं बाबागंज में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

पालिका परिषद अध्यक्ष के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

बिसवां, सीतापुर। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर नगर पालिका परिषद बिसवां की ओर से अध्यक्ष पुष्पू जायसवाल के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में पालिका कर्मियों और नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा का मुख्य आकर्षण करीब 200 मीटर लंबा विशाल तिरंगा रहा, जिसे नागरिक हाथों में थामकर रैली के आगे-आगे चल रहे थे। 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के जयघोष से पूरा नगर गुंजायमान हो उठा। तिरंगा यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई निकली, जहां जगह-जगह नागरिकों ने यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। लोगों ने तिरंगे के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए देशभक्ति के नारों से माहौल को राष्ट्रप्रेम से सराबोर कर दिया। यात्रा को लेकर नगरवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। यात्रा में पालिका कर्मियों के साथ बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल रहे।

शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की झांकी के साथ निकला तिरंगा यात्रा

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ कस्बा के सेठ रामकुमार खेतान बालिका इंटर कॉलेज की बालिकाओं व शिक्षकों के साथ विधानसभा क्षेत्र शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा के नेतृत्व में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत भव्य तिरंगा यात्रा शुक्रवार को निकाली गई। जिसमें भारत माता की जय घोष, हिंदुस्तान जिंदाबाद, वंदे मातरम का नारा लगाया गया। तिरंगा यात्रा के दौरान विद्यालय की छात्राओं द्वारा आकर्षक झांकी भी निकाली गई, जो कि आकर्षण का केंद्र रहा।

तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में एनसीसी के छात्राओं व महिला कांस्टेबल द्वारा विशेष सहयोग दिया गया। विद्यालय प्रधानाचार्या अंजू मिश्रा व विधायक विनय वर्मा के साथ तहसील के निकट विद्यालय से तिरंगा यात्रा चलकर रेलवे तहसील मुख्यालय, स्टेट बैंक, पुलिस पिकेट चौराहा, तिरंगा तिराहा होते हुए नगर पंचायत शोहरतगढ़ के विभिन्न मोहल्ले का भ्रमण करते हुए कॉलेज वापस लौटी। यात्रा के दौरान हजारों छात्राएं, एनसीसी कैडेट्स व शिक्षक हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय, एक भारत, श्रेष्ठ भारत, वंदे मातरम का जय घोष करते हुये नागरिकों में देश प्रेम भावना के लिए जागरूक किया। विधायक विनय वर्मा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आह्वान पर क्षेत्र के गांव, गली-गली, घर -घर हर तरफ तिरंगा आन बान शान से लहरा रहा है। तिरंगा झंडा हमारे राष्ट्र के गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है। यह यात्रा देश की एकता, अखंडता और भाईचारे को बढ़ावा दे रहा है। कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम की अमर गाथा और बलिदान का प्रतीक है।

प्रधानाचार्या अंजू मिश्रा ने कहा कि तिरंगे के तीन रंग हमें सत्य, शांति और साहस का संदेश देते हैं, जबकि अशोक चक्र हमें निरंतर प्रगति और कर्मपथ पर अग्रसर रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे सदैव राष्ट्रध्वज की गरिमा बनाए रखें और देशभक्ति की भावना को जीवन के हर क्षेत्र में जीवित रखें। इस दौरान प्रधानाचार्या अंजू मिश्रा, सत्य प्रकाश शुक्ला, मेघ श्याम गुप्ता, डॉक्टर विनय सिंह, विपिन कुमार सहित कॉलेज की हजारों छात्राएं मौजूद रहीं।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह की तैयारियों की कुलपति ने की समीक्षा

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में आगामी 29 जून को आयोजित होने वाले दसवें दीक्षांत समारोह की तैयारियों की समीक्षा हेतु गुरुवार को कुलपति प्रोफेसर कविता शाह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में दीक्षांत समारोह से संबंधित विभिन्न समितियों के संयोजकों एवं सदस्यों के साथ कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने विशेष रूप से इस वर्ष दीक्षांत समारोह के आयोजन स्थल को लेकर आवश्यक तैयारियों पर बल दिया। उन्होंने बताया कि प्रतिकूल मौसम एवं वर्षा की संभावनाओं को देखते हुए इस बार दीक्षांत समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित पंडाल के स्थान पर गौतम बुद्ध प्रेक्षागृह में किया जा रहा है।

उन्होंने सभी समितियों को कार्यक्रम की गरिमा एवं सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि शैक्षणिक उपलब्धियों और अकादमिक उत्कृष्टता का महोत्सव होता है। ऐसे महत्वपूर्ण आयोजन की सफलता के लिए प्रत्येक छोटे-बड़े बिंदु पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हम सभी विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य इस गौरवशाली अवसर को सफल बनाने के लिए पूर्ण निष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। कुलपति ने कहा कि किसी भी बड़े आयोजन की सफलता का मूल मंत्र सामूहिक प्रयास, पारस्परिक सहयोग और समन्वित कार्यशैली में निहित होता है। यदि सभी समितियाँ निर्धारित समय-सीमा में अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी, तो विश्वविद्यालय का दसवां दीक्षांत समारोह एक ऐतिहासिक एवं यादगार आयोजन के रूप में स्थापित होगा। बैठक में कुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार सहित विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, विभिन्न समितियों के अध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नशा उन्मूलन अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सिधौली/सीतापुर। नशा उन्मूलन अभियान के अंतर्गत श्री गांधी महाविद्यालय सिधौली में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अजय कुमार वर्मा के नेतृत्व तथा महाविद्यालय के प्राचार्य अजय शुक्ला के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान संगोष्ठी एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों और उपस्थित लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। बीए तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों मोनिस, धीरज, लवकुश, ऋतु, पूजा विश्वकर्मा और नैन्सी ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर नशे के दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से नशे की लत से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक नुकसान को बताया गया तथा युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर रोवर्स-रेंजर्स प्रभारी डॉ. गोपाल सिंह एवं इतिहास विभागाध्यक्ष रविंद्र सिंह सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण, एनएसएस स्वयंसेवक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अमर पाल मौर्य के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा बनने पर भाजपा कार्यालय में जश्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य को भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर जनपद प्रतापगढ़ में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह उत्साह के साथ जश्न मनाया।भाजपा जिला कार्यालय पर जिला अध्यक्ष आशीष कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और ढोल-नगाड़ों की धुन पर खुशी का इजहार किया। कार्यकर्ताओं को लड्डू खिलाकर एक-दूसरे को बधाई दी गई।जिला अध्यक्ष आशीष कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अमर पाल मौर्य को भाजपा ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाना हम सभी जनपद वासियों के लिए गौरव का विषय है। उनके अनुभव और संगठन क्षमता का लाभ पूरे देश में ओबीसी मोर्चे को मिलेगा। उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा।सदर विधायक राजेन्द्र कुमार मौर्य ने कहा कि अमर पाल मौर्य को भाजपा ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने से कार्यकर्ताओं में उत्साह और खुशी की लहर है। यह निर्णय संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, संघर्ष और कार्यक्षमता का सम्मान है। 1राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि राय साहब सिंह ने कहा कि अमर पाल मौर्य को इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना कार्यकर्ताओं के लिए गौरव की बात है। उनके नेतृत्व में पिछड़े वर्गों के बीच भाजपा का संगठन और मजबूत होगा।वहीं, विधानसभा बाबागंज में पूर्व जिला अध्यक्ष हरिओम मिश्र ने भी कार्यकर्ताओं के साथ खुशी मनाई। उन्होंने कार्यकर्ताओं को लड्डू खिलाकर अमर पाल मौर्य को राष्ट्रीय अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा बनाए जाने पर बधाई दी।

महुली हादसे में छः की दर्दनाक मौत के बाद अकेले बचे अमन के बेहतर इलाज

नौकरी की दी जाय - अजय राय

प्रतापगढ़। शहर के महुली मोहल्ले में जर्जर मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के छः सदस्यों की मौत की दर्दनाक घटना के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय शुक्रवार को पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने हादसे पर गहरा दुःख जताते हुए घटना में जीवित बचे अमन श्रीवास्तव से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद उपलब्ध कराने की मांग उठाई।अजय राय ने कहा कि महुली की घटना बेहद हृदयविदारक है। एक ही परिवार के छः लोगों की जान चली जाना पूरे समाज को झकझोर देने वाला हादसा है। उन्होंने पीड़ित अमन श्रीवास्तव से मुलाकात कर उसे ढांढस बंधाया और उसके बेहतर इलाज एवं भविष्य के लिए सरकार से तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने शहर में चिन्हित किए गए 100 से अधिक जर्जर मकानों को लेकर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि शहर में जर्जर भवनों को पहले से चिन्हित किया गया था तो उनकी सुरक्षा को लेकर समय रहते ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने जिलाधिकारी से शहर में चिन्हित सभी जर्जर मकानों की सूची सार्वजनिक करने तथा ऐसे भवनों को लेकर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।उन्होंने कहा कि महुली हादसे में परिवार ने अपना सब कुछ खो दिया है। ऐसे में सरकार को पीड़ित परिवार के पुनर्वास और भविष्य की सुरक्षा के लिए ठोस आर्थिक सहायता देनी चाहिए। कांग्रेस ने पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिए जाने की मांग की।साथ ही हादसे में परिवार के इकलौते बचे अमन श्रीवास्तव को तत्काल सरकारी नौकरी देने की भी मांग उठाई गई, ताकि वह अपने जीवन को दोबारा पटरी पर ला सके।इसके पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में भुपिया मऊ चौराहा, कांग्रेस सेवादल के महासचिव भवानी शंकर दूबे एवं जिला सचिव अभय प्रताप सिंह के नेतृत्व में चिलबिला एवं जिला महासचिव संतोष सिंह के नेतृत्व में गोड़े में सैकड़ो की संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने अगवानी की।

बाबू भगवती सिंह स्मृति ट्रस्ट द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सीतापुर। बाबू भगवती सिंह स्मृति ट्रस्ट एवं आयुष विभाग उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम देवरी रूखारा के प्राचीन शिव मंदिर के प्रांगण में निशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। आयुष विभाग के आयुर्वेदाचार्य डॉक्टर नीरज सोनी एवं डॉ किरण लता रावत के द्वारा आयुर्वेद को बढ़ावा देने तथा मरीज को आयुर्वेद की विधिवत जानकारी दी। विभाग के चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधियां दी गई। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक समाज सेवी वरिष्ठ कवि योगेश चौहान ने बताया कि अपनी प्राचीन चिकित्सा पद्धति के द्वारा ट्रस्ट के माध्यम से समाज को निरोग रखना तथा आयुर्वेद का प्रचार-प्रसार व्यापक स्तर पर करना है। इस अवसर पर ट्रस्ट के सदस्या कवित्री संध्या त्रिपाठी ने लोगों को जड़ी बूटी की ओर अग्रसर होने का सुझाव दिया । समाजसेवी शैलेन्द्र सिंह एवं रघुराज सिंह के सहयोग से कार्यक्रम विधिवत सम्पन्न हुआ। चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के कृषि विशेषज्ञ डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आज के समय में आयुर्वेद औषधीया ही सभी बीमारियों में प्रभावी है आयुर्वेद की तरफ सभी को बढ़ाना चाहिए। ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं समाजसेवी बलबीर सिंह राठौड़ ने चिकित्सक दल, सहयोगियों, एवं सभी स्वयं सेवकों के प्रति आभार धन्यवाद ज्ञापित किया। लगभग 250 से अधिक रोगियों को मुफ्त दवाई और उन्हें उचित सलाह दी गई।

कंपोजिट विद्यालय नेवादा देवमन में धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस

शिक्षा मनुष्य का सबसे महत्वपूर्ण गहना है:- काजिम हुसैन

खैराबाद सीतापुर। भारत के 80 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पूरे ब्लाक खैराबाद में संचालित सभी परिषदीय सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों तथा उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त मदरसों या अन्य बोर्डों से मान्यता प्राप्त मदरसों में स्वतंत्रता दिवस का जश्न बड़े ही शान शौकत के साथ मनाया गया प्रत्येक विद्यालय और मदरसे में प्रातः काल प्रभात फेरी निकाली गई उसके पश्चात विद्यालयों में ध्वजारोहण का कार्यक्रम भी संपन्न हुआ इसी क्रम में कंपोजिट विद्यालय नेवादा देवमन में प्रातः काल बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली तत्पश्चात प्रधान अध्यापक काजिम हुसैन ने ध्वजारोहण करके बच्चों को शपथ एवं प्रतिज्ञा दिलाई बच्चों ने राष्ट्रगान राष्ट्रीय गीत आदि प्रस्तुति प्रस्तुत किया इसके बाद विद्यालय प्रबंध समिति के संरक्षक राजाराम यादव की अध्यक्षता में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें अनपढ़ बीबी शिक्षा क्यों जरूरी है से संदर्भित नाटक तथा देशगीत लोकगीत आदि कार्यक्रम बच्चों ने प्रस्तुत किया कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापक काजिम हुसैन ने जबकि कार्यक्रम की प्रस्तुति सहायक अध्यापिका हुदा अमरीन ने कराई उनका सहयोग सहायक अध्यापिकाओं में शशि शुक्ला एवं आरफा खातून ने किया इस अवसर पर बच्चों के अभिभावक विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य शिक्षामित्र एवं रसोईया तथा हमजा सिद्दीकी, अंकित मिश्रा, आशीष कुमार मिश्रा, आदि उपस्थित थे कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालन करने में कक्षा 8 के छात्र शेरु तथा एस के सिंह ने सहयोग किया कार्यक्रम समापन के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने वाले बच्चों को तथा दैनिक उपस्थिति वाले बच्चों को प्रधानाध्यापक द्वारा पुरस्कृत भी किया गया और मिष्ठान वितरण के बाद कार्यक्रम का सपन हो गया अंत में शशि शुक्ला सहायक अध्यापक ने मैं सभी का आभार व्यक्त किया इसी अवसर पर संकुल धरैंचा के समस्त 23 विद्यालयों में देर तक रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संकुल भगौतीपुर के कंपोजिट विद्यालय मातापुरवा में भी प्रधान अध्यापक मोहम्मद जुनेद तथा उनके स्टाफ ने अच्छे कार्यक्रम की प्रस्तुतीकरण किया मोहम्मद जुनैद ने दिए प्रतिभा करने वाले बच्चों दैनिक उपस्थिति का पढ़ाई में अच्छे बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

एलपीजी ग्राहकों को बड़ी राहत: बायोमीट्रिक ई-केवाईसी की अंतिम तिथि बढ़ाकर 26 अगस्त की गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
सचिन बाजपेई

नई दिल्ली। देशभर के एलपीजी (रसोई गैस) ग्राहकों के लिए राहत भरी खबर है। गैस कनेक्शन की अनिवार्य बायोमीट्रिक ई-केवाईसी (e-KYC) प्रक्रिया पूरी करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब ग्राहकों को यह प्रक्रिया 26 अगस्त तक पूरी करने का समय मिल गया है। पेट्रोलियम कंपनियों और संबंधित विभागों की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, पहले निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बाद भी बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी बाकी रहने के कारण तिथि बढ़ाई गई है। यह कदम ग्राहकों को अतिरिक्त समय देने और प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूरा कराने के उद्देश्य से लिया गया है।

क्यों जरूरी है बायोमीट्रिक ई-केवाईसी?

सरकार और तेल विपणन कंपनियों (इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम) ने घरेलू एलपीजी कनेक्शनों की वैधता सुनिश्चित करने और सब्सिडी का लाभ सही लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए आधार आधारित बायोमीट्रिक ई-केवाईसी अनिवार्य की है। इससे फर्जी या डुप्लीकेट कनेक्शनों पर अंकुश लगेगा तथा सब्सिडी का दुरुपयोग रोका जा सकेगा।

ई-केवाईसी नहीं कराने पर क्या होगा?

निर्धारित तिथि तक ई-केवाईसी पूरी न करने वाले ग्राहकों को घरेलू दर पर गैस सिलेंडर मिलने में कठिनाई हो सकती है। सब्सिडी का लाभ भी अस्थायी रूप से प्रभावित हो सकता है। हालांकि, कनेक्शन तुरंत रद्द नहीं किया जाएगा, लेकिन घरेलू कीमत पर सिलेंडर और सब्सिडी का लाभ ई-केवाईसी पूरी होने तक बाधित रह सकता है।

ई-केवाईसी कैसे कराएं?

ग्राहक निम्नलिखित तरीकों से आसानी से प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं:

घर बैठे ऐप के जरिए: इंडेन गैस के लिए IndianOil ONE ऐप

भारत गैस के लिए Hello BPCL ऐप

एचपी गैस के लिए HP Pay ऐप

इन ऐप्स के साथ आधार फेस आरडी (Aadhaar FaceRD) ऐप डाउनलोड कर फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से ई-केवाईसी पूरी की जा सकती है। गैस एजेंसी या डिलीवरी व्यक्ति के माध्यम से: नजदीकी डिस्ट्रीब्यूटर के यहां जाकर या सिलेंडर डिलीवरी के समय बायोमीट्रिक सत्यापन करवाया जा सकता है।

आम सेवा केंद्र (CSC) पर भी यह सुविधा उपलब्ध है।

ग्राहकों से अपील

तेल कंपनियां लगातार ग्राहकों से अपील कर रही हैं कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर लें। जिन उपभोक्ताओं ने पहले ही ई-केवाईसी कर ली है, उन्हें दोबारा कराने की जरूरत नहीं है। यह विस्तारित समय-सीमा लाखों एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आई है। सभी संबंधित ग्राहकों से अनुरोध है कि वे 26 अगस्त से पहले अपनी ई-केवाईसी अवश्य पूरी कर लें, ताकि बिना किसी बाधा के घरेलू दर पर गैस सिलेंडर और सब्सिडी का लाभ मिलता रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय हिंदू युवा संगठन ने लगाया रक्तदान शिविर

लखनऊ में युवाओं ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान, सामाजिक सेवा का दिया संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय हिंदू युवा संगठन की ओर से जानकीपुरम स्थित सुलभ आवास सेक्टर-जे में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन आर एम एल आई एम एस स्थित लोहिया ब्लड बैंक के सहयोग से किया गया। संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया। आयोजकों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान प्रतिभागियों को रक्तदान के महत्व की जानकारी दी गई और युवाओं से सामाजिक सेवा के कार्यों में आगे आने का आह्वान किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश के वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान को याद करने का अवसर है। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी राष्ट्रसेवा का हिस्सा है। रक्तदान के माध्यम से किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने में योगदान दिया जा सकता है। शिविर के आयोजन के साथ संगठन की लखनऊ और उत्तराखंड इकाइयों के पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई। लखनऊ जिला कमेटी में विकास पुरी को जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विवेक सेठ और डॉ. अंकित मेहरोत्रा को जिला उपाध्यक्ष, डॉ. विवेक राठौर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश का जिला उपाध्यक्ष, सुधीर श्रीवास्तव को जिला संगठन मंत्री तथा आशीष श्रीवास्तव को जिला महामंत्री बनाया गया। उत्तराखंड कमेटी में राहुल खत्री को जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अजय सिंह को जिला उपाध्यक्ष और सुनील कुमार को जिला सहायक सचिव की जिम्मेदारी दी गई। संगठन की चिकित्सकीय एवं सहयोगी टीम में डॉ. पारुल को वरिष्ठ रेजिडेंट, डॉ. गरिमा को कनिष्ठ रेजिडेंट और शिखा को काउंसलर बनाया गया। इसके अलावा अनिल को लैब टेक्नीशियन, आदर्श को नर्सिंग अधिकारी, अमरदीप और दीपक को प्रशिक्षु तथा रामनाथ को लैब सहायक की जिम्मेदारी दी गई। आयोजकों ने बताया कि शिविर के आयोजन के लिए लोहिया ब्लड बैंक से पूर्व में अनुमति का अनुरोध किया गया था। शिविर जानकीपुरम में सरगम अपार्टमेंट गेट नंबर-2 के निकट आयोजित किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि भविष्य में भी रक्तदान, स्वास्थ्य जागरूकता और अन्य जनसेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का समापन मानव सेवा, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक सहयोग की भावना के साथ हुआ।

श्रावण तीज पर भगवान के श्रीविग्रहों को झूलों में कराया गया विराजमान, उतारी आरती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)। श्रावण तीज के अवसर पर शनिवार को विभिन्न मंदिरों में भगवान के श्रीविग्रहों को झूलों में विराजमान कराया गया और उनकी आरती उतारी गई। सनातनी घरों में भी विशेष पूजा अर्चना कर पुष्पों-पत्रों से सुसज्जित झूलों में भगवान के श्रीविग्रह पधरवा कर उत्सव मनाया गया। रामलला मंदिर में श्रावण तीज से झूला महोत्सव का प्रारंभ हो गया जो पूरे एक पखवाड़े तक जारी रहेगा। शनिवार को श्रावण तीज से एक तरह से सनातन संस्कृति में पर्वों और त्योहारों का श्रीगणेश भी हो गया है। रामलला मंदिर, अवधबिहारी लाल मंदिर, द्वारिकाधीश मंदिर, सीतानाथ मंदिर, नृसिंह मंदिर, राम जानकी मंदिर, चतुर्भुज मंदिर (बड़ा मंदिर), मुरली मनोहर मंदिर, कल्याणराय मंदिर, बल्दाऊ मंदिर आदि में विशेष धार्मिक अनुष्ठानों के बीच भगवान के श्रीविग्रहों को झूलों में विराजमान कराकर उनकी आरती उतारी गई और प्रसाद वितरित किया गया। हरियाली तीज को भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती के पुनर्मिलन और उनके शाश्वत प्रेम व सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है इसलिए बड़ी संख्या में महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर शिवालयों में आशुतोष भगवान भोलेनाथ व माता पार्वती की विधि विधान से पूजा अर्चना कर पति की लंबी आयु की कामना की। वहीं अविवाहित किशोरियों व युवतियों ने अच्छा वर मिलने की कामना के साथ पूजा अर्चना की। बड़ी माता, सिंह वाहिनी, हुल्का देवी, काली देवी, राजराजेश्वरी, कैला देवी, आनंदी माता, बोदरी माता, शीतला माता, नक्टी माता आदि मंदिरों में जाकर हलवा पूड़ी समर्पित कर घर में धन, धान्य, सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। सनातनी घरों में भी झूले डाल कर भगवान के श्रीविग्रह पधरवाए गए।

विहिप की दो दिवसीय प्रांत योजना बैठक में आगामी छह माह की कार्ययोजना पर मंथन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। नगर के रामबाग स्थित सुरभि शोध संस्थान में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) काशी प्रांत की दो दिवसीय प्रांत योजना बैठक आयोजित हुई। बैठक में संगठन की आगामी छह माह की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने परिवार व्यवस्था को मजबूत करने, सामाजिक जागरूकता बढ़ाने और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को जोड़ने पर जोर दिया। बैठक को संबोधित करते हुए लखनऊ क्षेत्र के संगठन मंत्री गजेंद्र जी ने कहा कि भारतीय समाज की मूल शक्ति परिवार व्यवस्था है। इसे सुरक्षित और सुदृढ़ बनाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान चुनौतियों के संदर्भ में समाज और शासन, दोनों स्तरों पर गंभीरता से समाधान की दिशा में प्रयास होना चाहिए। परिवार प्रबोधन और पारिवारिक मूल्यों के संरक्षण के लिए समाज में जागरूकता अभियान चलाने पर भी उन्होंने बल दिया। उन्होंने कहा कि संगठन की ओर से हिंदू समाज को संगठित करने, सनातन मूल्यों के संरक्षण तथा राष्ट्रीय हित से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा। श्रद्धेय अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर संगठन ने देशभर में एक करोड़ हित चिंतक बनाने का संकल्प लिया है। बैठक में स्थापना दिवस, दुर्गा अष्टमी और गीता जयंती सहित आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने और जागरूकता बढ़ाने की कार्ययोजना बनाई गई। इसके साथ ही संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जन्मशती के अवसर पर सामाजिक समरसता, समानता, आध्यात्मिक चेतना और मानव मर्यादा के उनके संदेश को समाज तक पहुंचाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में संगठन की ओर से समाज के समक्ष मौजूद विभिन्न चुनौतियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने सामाजिक एकता और जागरूकता के लिए लगातार अभियान चलाने की आवश्यकता बताई। प्रांत योजना बैठक में काशी प्रांत के 22 जिलों से 300 से अधिक पदाधिकारी शामिल हुए। इनमें क्षेत्र सत्संग प्रमुख दिवाकर नाथ त्रिपाठी, प्रांत अध्यक्ष कविंद्र प्रताप सिंह, प्रांत संगठन मंत्री राजेंद्र जी, प्रांत मंत्री डॉ. राज नारायण सिंह, प्रांत उपाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, विद्या भूषण, कमला मिश्रा, विनोद अग्रवाल, प्रांत सह मंत्री सत्य प्रकाश सिंह, प्रभृति कांत, काशी प्रांत धर्म प्रसार प्रमुख नरसिंह त्रिपाठी, दुर्गा वाहिनी संयोजिका दिव्या सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा विभाग संगठन मंत्री अमित पाठक, वंशीधर चतुर्वेदी, दिनेश प्रकाश, अमित चतुर्वेदी, नारायण राठी, राजकुमार गुप्ता, अर्जुन मौर्या, अभिषेक बजरंगी, प्रवीण मौर्य और जगदीश गुप्त समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। बैठक के समापन सत्र में सूर्यकांत जालन (कानू भाई जी) का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस दौरान काशी प्रांत से चित्तौड़ प्रांत के संगठन मंत्री बनाए गए नितिन भारत का प्रांत के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। बैठक का समापन आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने और संगठन की योजनाओं को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने के संकल्प के साथ हुआ।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाभार्थियों को वितरित की गई विरासत खतौनियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आयोजित कार्यक्रम में वालेकांत पुत्र स्वर्गीय कोमल प्रसाद, निवासी ग्राम दंदौल, तहसील पूरनपुर को उनकी माता लालमुनी पत्नी कोमल प्रसाद की मृत्यु उपरांत नियमानुसार दर्ज की गई विरासत के आधार पर तैयार खतौनी उपलध कराई गई। इसी क्रम में ऊषा देवी पत्नी ईश्वरदयाल, निवासी ग्राम रामपुर, तहसील पूरनपुर को उनके पति ईश्वरदयाल पुत्र रामविलास की मृत्यु उपरांत नियमानुसार दर्ज की गई विरासत के आधार पर तैयार खतौनी उपलध कराई गई।

पूरनपुर (पीलीभीत)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के दौरान तहसील पूरनपुर में राजस्व विभाग द्वारा जनसामान्य को त्वरित एवं पारदर्शी राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराने के क्रम में विरासत खतौनियों का वितरण किया गया। आयोजित कार्यक्रम में वालेकांत पुत्र स्वर्गीय कोमल प्रसाद, निवासी ग्राम दंदौल, तहसील पूरनपुर को उनकी माता लालमुनी पत्नी कोमल प्रसाद की मृत्यु उपरांत नियमानुसार दर्ज की गई विरासत के आधार पर तैयार खतौनी उपलब्ध कराई गई। इसी क्रम में ऊषा देवी पत्नी ईश्वरदयाल, निवासी ग्राम रामपुर, तहसील पूरनपुर को उनके पति ईश्वरदयाल पुत्र रामविलास की मृत्यु उपरांत नियमानुसार दर्ज की गई विरासत के आधार पर तैयार खतौनी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों द्वारा कहा गया कि राजस्व अभिलेखों में विरासत संबंधी प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में है। पात्र लाभार्थियों को उनकी भूमि एवं राजस्व अभिलेखों से संबंधित दस्तावेज सुगमता से उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

स्वतंत्रता दिवस पर स्कूली बच्चों एवं अध्यापकों ने गांव की गलियों व सड़कों पर घूमकर निकाली प्रभातफेरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में स्कूली बच्चों एवं अध्यापकों ने गांव की गलियों व सड़कों पर घूमकर प्रभातफेरी निकाली। स्कूलों में ध्वजारोहण के पश्चात बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। प्राथमिक विद्यालय खाता व कम्पोजिट विद्यालय अमरैयाकलां में ध्वजारोहण प्रधान सत्यपाल शर्मा ने किया। समारोह में शिक्षिका पारुल गुप्ता, राधाकृष्ण कुशवाहा, राजेश्वरी, पूनम, अवधेश कुमार, कंचनदेवी कुशवाहा, कपिल पांडेय, उमाशंकर, विजय सोनी, सुनीता, शालिनी, रितु आदि मौजूद रहे। इसके अलावा प्राथमिक विद्यालय भगवंतापुर, माधोटांडा नम्बर एक, केसरपुर, सुआबोझ, खैरपुर, शेरपुर कलां नम्बर दो, उच्च प्राथमिक विद्यालय पूरनपुर, भगवंतापुर, माधोटांडा, सुआबोझ, कम्पोजिट विद्यालय रुद्रपुर, पिपरिया दुलई, रघुनाथपुर, गुरुनानक इंटर कालेज माधौपुर इटौरिया आदि स्कूलों में प्रभातफेरी निकालकर ध्वजारोहण हुआ और बच्चों ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम में शिक्षक सूर्यप्रकाश गंगवार, मुकेश बाबू, शुभम शुक्ला, अवनीश कुमार अवस्थी, प्रभुदयाल, विनीत कुमार, मो. फुरकान, वासुदेव यादव, ब्रजेश शुक्ला, रामसेवक, शेखर दीक्षित, मो. ताहिर खां, वीरपाल, कुलदीप सिंह, अमरीक सिंह, रामेश्वर दयाल, गुरिन्दर सिंह, आलोक अवस्थी, ऋषि सक्सेना आदि मौजूद रहे।

आन बान शान से लहराया तिरंगा

सरकारी व निजी संस्थानों समेत स्वयंसेवी संगठनों के कार्यालयों में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)। राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सरकारी व निजी संस्थानों समेत स्वयंसेवी संगठनों के कार्यालयों में पूरी आन बान शान से तिरंगा फहराया गया, तदुपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की लंबी श्रंखला आयोजित की गई। तहसील कार्यालय प्रांगण में एसडीएम अभिनव कुमार ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान गया। एसडीएम व प्रभारी तहसीलदार जितेंद्र सिंह पटेल समेत कर्मचारियों ने अमर शहीदों के चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया, बच्चों को उपहार भी बांटे गए। कोतवाली में सीओ परमेश्वर प्रसाद ने ध्वजारोहण कर सलामी ली। इस दौरान कोतवाल निगवेंद्र प्रताप सिंह, एसएसआई विमलेश कुमार, क्राइम इंस्पेक्टर अरुण कुमार समेत उपनिरीक्षक व सिपाही मौजूद रहे। मुंसिफ कोर्ट में अपर सिविल जज सतनाम यादव ने ध्वजारोहण किया। बार संघ अध्यक्ष जितेंद्र सिंह गुर्जर, महामंत्री अभिनीत श्रीवास्तव, विनोद निरंजन, रामबिहारी श्रीवास्तव, अंकुर पटेल, अरविंद दीक्षित, जितेंद्र पांडे आदि वकील मौजूद रहे। खंड विकास कार्यालय में ब्लॉक प्रमुख रानी देवी ने ध्वजारोहण कर लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शीलू पटेल पड़री, बीडीओ यज्ञदेव यादव सहित प्रधान, बीडीसी सदस्य व कर्मचारीगण मौजूद रहे। नगर पालिका परिषद कार्यालय में विधायक मूलचंद्र निरंजन ने ध्वजारोहण किया। ईओ मोनिका उमराव समेत सभासदगण, पालिका कर्मी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। तहसील स्थित विजय बारहदरी में अपर सिविल जज सतनाम यादव ने ध्वजारोहण किया, इस मौके पर एसडीएम अभिनव कुमार, बार संघ अध्यक्ष जितेंद्र सिंह गुर्जर सहित तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे। खंड शिक्षा कार्यालय पर एबीएसए सुनील राजपूत ने ध्वजारोहण किया। गल्ला मंडी कार्यालय पर भी ध्वजारोहण किया गया। वन विभाग कार्यालय पर वन रेंजर संजीव तिवारी ने ध्वजारोहण किया। जेडीसी बैंक में समाजसेवी जयप्रकाश सोनी ने ध्वजारोहण किया। कांग्रेस कार्यालय पर अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी, भाजपा कार्यालय पर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, सपा कार्यालय पर अमित यादव सभासद, भाविप कार्यालय पर अध्यक्ष रामबाबू निरंजन नरी ने ध्वजारोहण किया। एमपीडीसी कॉलेज में प्रबंधक डॉ केदारनाथ सिमिरिया ने ध्वजारोहण किया, एनसीसी दल ने सलामी दी। इस दौरान प्रबंध समिति मंत्री ओमशंकर अग्रवाल एड, कोषाध्यक्ष शिवकुमार निरंजन समेत स्टॉफ सदस्य व छात्र छात्राएं उपस्थित रहीं। सूरज ज्ञान कॉलेज में प्रबंध समिति अध्यक्ष डॉ आरबी जैन ने ध्वजारोहण किया। छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस मौके पर प्रबंधक अंकुर यादव आदि उपस्थित रहे। सेठ बद्रीप्रसाद कॉलिज, अशोक शुक्ला महिला महाविद्यालय, सरस्वती विद्या मंदिर इं.का. गल्ला मंडी, बालिका विद्या मंदिर, कमला नेहरू बालिका इंटर कॉलेज, नाथूराम बालिका इंटर कॉलेज एसटीके बालिका इंटर कॉलेज, पं रामस्वरूप रावत इंटर कॉलेज, एसआरपी इंटर कॉलेज, अमरचंद महेश्वरी इंटर कॉलेज में ध्वजारोहण किया गया। कॉलेजों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्र छात्राओं ने बढ़चढ़ कर प्रतिभाग किया। महंत कृष्णदास इंटर कॉलेज अंडा में विधायक मूलचंद्र निरंजन ने ध्वजारोजण किया। मदर्स प्राइड पब्लिक स्कूल में संरक्षक/प्रबंधक विनोद पांडेय ने ध्वजारोहण किया। स्कूली बच्चों ने सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों को भाव विभोर कर दिया।इस दौरान आनंद पांडेय, आदित्य पांडेय, विश्वनाथ दीक्षित समेत स्कूल स्टॉफ के सदस्य मौजूद रहे। एबेनेज़र स्कूल में ध्वजारोहण किया गया। बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस दौरान प्रिंसिपल केजी ग्रेसी, प्रबंधक एएक्स जोसेफ आदि मौजूद रहे। विवेकानंद ग्लोबल स्कूल में ध्वजारोहण के बाद बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया।